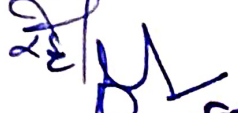


आदिम पुरावली पुरा हुये वाली हुक्मपत्र
 अनुपस्थित। स्वयं प्रार्थना व कुडावली
 भी अनुपस्थित है। आवाजें लगाए गये।
 उपस्थित नहीं है। इतना प्रार्थना का प्रार्थना
 पर इफ्त दाखली एवं इफ्त फैली में रमा
 काय वर जाकि किना जाता है प्रकृष्ट में
 पाति अस्वा निवेद्याता किना ~~का~~ काय
 की भी निरस्त किना जाता है पुरावली वही
 में वाक्य होकर मूल वर के साथ स्लम


 उपखण्ड अधिकारी
 श्री विजयनगर

